ॐ

~~~~~~~~~~

विद्या भवन,बालिका विद्यापीठ,लखीसराय ।

कक्षा-अष्टम विषय-हिन्दी व्याकरण

कारक

दिनांक—13/10/2020

卐 सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया 卐

मेरे प्यारे बच्चों, शुभ प्रभात!

आपका हर दिन खुशियों से भरा हो!

<u>एन सी इ आर टी पर आधारित</u>

<u>कारक के भेद</u>

1.कर्ता कारक'-- कर्ता' का अर्थ होता है- काम को करने वाला; जैसे

(क) तितली फूलों पर मँडराती है।

(ख) लता गीत सुनाती है।

(ग) चंपा ने चिट्ठी लिख डाली।

ऊपर दिए गए वाक्यों 'क' में तितली बिना कारक-चिह्न के फूलों पर मँडरा रही है तथा 'ख' में लता बिना कारक-चिह्न के गीत सुना रही है अर्थात् तितली और लता कर्ता कारक हैं। पर इनके साथ परसर्ग(ने)का
~~~~~~~~~~

प्रयोग नहीं,किया गया है।वाक्य 'ग' में चंपा ने कारक-चिह्न 'ने' के साथ चिट्ठी लिखी है। अतः इस वाक्य में 'चंपा' कर्ता कारक है।

(वाक्य की मुख्य क्रिया के साथ 'किसने' का 'कौन' प्रश्न करने पर जो उत्तर मिलेगा, वही कर्ता कारक होगा।)

2. कर्म कारक--:संज्ञा या सर्वनाम ने जो कुछ भी किया, यदि उसका फल वे स्वयं नहीं भोग रहे हैं, तो वहाँ कर्म कारक होगा।

जैसे- तुम मोहन को यहाँ बुलाओ।

बुलाना क्रिया कौन कर रहा है? -तुम

और आना किसे पड़ रहा है? – मोहन को

यहाँ मोहन 'आना' क्रिया का फल भोग रहा है।

*कभी-कभी एक नहीं दो-दो कर्म होते हैं -मैं आपको कहानी सुनाने जा रहा हूँ।

क्या सुनाने जा रहा हूँ? -कहानी

किसको कहानी सुनाने जा रहा हूँ?- आपको।

यहाँ ‘आप’और’कहानी’दो-दो कर्म हैं अर्थात् दो-दो कर्म कारक हैं।

दी गई पाठ्य सामग्री को अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखे एवं याद करें।

धन्यवाद

कुमारी पिंकी “कुसुम”